ब्रह्माकुमारीज़ : मानसरोवर बना कोविड केयर सेंटर

500 बेड वाला सीसीटीवी कैमरे से सुविधायुक्त

शांतिवन-मानसरोवर | देश और प्रदेश के साथ जिले में भी कोरोना तेजी से बढ़ता देख ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मानसरोवर में 500 बेड वाला, कोविड मरीजों के लिए आइसोलेशन के रूप में प्रशासन को सौंपा गया। चिकित्सा प्रभारी एमएल हिंडोनिया, डॉ. सलीम खान, वरिष्ठ नर्सिंगमीं सुखवीर सिंह समेत 26 पैरामेडिकल स्टाफ दिन-रात मरीजों के उपचार में लगा हुआ है। कोविड केयर सेंटर में सुविधाएं, स्वच्छता तथा सात्विक भोजन और आध्यात्मिक व सकारात्मक वातावरण से मरीजों पर सकारात्मक असर हो रहा है, जिससे मरीज जल्दी रिकवर हो रहे हैं।

पंचायत सहायक भी दे रहे सेवाएं

यहाँ अलग-अलग पारियों में डयूटी कर रहे पंचायत सहायक भी सेवाएं दे रहे हैं। कोविड केन्द्र की सारी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए ऐसा सिस्टम बनाया गया है। ताकि यहाँ भर्ती मरीजों को कोई परेशानी न हो।

अलग-अलग शिफ्ट में डयूटी दे रहे कर्मचारी

आबूरोड तहसील के अधिकारियों को अलग-अलग पारियों में, अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए डयूटी लगाई गई है। जिसमें से हेल्प डेस्क से लेकर सिलेंडर, भोजन, दवाइयों और दिवंगत आत्माओं को ससम्मान विदाई के लिए टीमें बनाई गई हैं, जिससे किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था न हो।

कोविड सेंटर में सीसीटीवी कैमरों से हो रही निगरानी

माउण्ट आबू एस.डी.एम. अभिषेक सुराना, तहसीलदार रामस्वरूप जोहर, कोविड केन्द्र प्रभारी सुमन सोनल, नोडल अधिकारी प्रदीप मायला का सहयोग मिल रहा है। अब मरीजों की डायरेक्ट मॉनिटरिंग तथा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए हैं, जिससे उपखंड अधिकारी सीधे कार्यालय से ही यहाँ की मॉनिटरिंग कर सकेंगे।

ग्लोबल अस्पताल में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित

माउण्ट आबू | वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित मरीजों को समय पर समुचित उपचार मुहैया कराने के लिए ग्लोबल अस्पताल में भामाशाह की ओर से उपलब्ध करवाए गए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन करते हुए सिरोही विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि ग्लोबल अस्पताल में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित होने से यहाँ आने वाले मरीजों को समय पर समुचित उपचार मिलने से उनकी जान बचाए जाने का भगीरथी कार्य होगा। भामाशाह सुधीर जैन की ओर से 20 लाख 8 हज़ार रूपये की राशि मुहैया कराने से यह संयंत्र स्थापित हुआ है। जो अपने आप में एक सराहनीय कार्य है। विधायक लोढ़ा ने कहा कि जिले में ऑक्सीजन की कमी की वजह से अभी तक किसी कोविड संक्रमित मरीज की मृत्यु हुई हो ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। यहाँ समय पर आवश्यकतानुसार ऑक्सीजन मिलती रही है। विधानसभा पूर्व उप मुख्य सचेतक रतन देवासी ने कहा कि ग्लोबल अस्पताल की चिकित्सकीय सेवाओं से मरीजों को समय पर सही स्वास्थ्य उपचार मिलना अपने आप में अहम उपलब्धि है। निःस्वार्थ सेवा दृष्टिकोण के साथ मरीजों को ठीक करने की प्रबल इच्छा शक्ति के समक्ष कोई भी समस्या आड़े नहीं आ सकती। भामाशाह सुधीर जैन ने कहा कि ग्लोबल अस्पताल की ओर से आर्थिक रूप से कमज़ोर तबके के मरीजों को समय पर स्वास्थ्य उपचार मिलना पुण्य कार्य है। इसमें ऑक्सीजन जनरेट करने वाली मशीन लगने से सोने पे सुहागा हो गया है। अस्पताल प्रबंधन हर परिस्थिति में अपने दायित्वों को निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा ने कहा कि इसी तरह का एक अन्य संयंत्र भामाशाह की ओर से ग्लोबल अस्पताल ट्रोमा सेंटर आबूरोड को भी उपलब्ध करवाया गया है। जिससे दोनों अस्पतालों में किसी हद तक ऑक्सीजन की पूर्ति हो सकेगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव लुंबाराम गरासिया, डॉ. सुधीर सिंह, प्रशासन प्रितिनिधि भू अभिलेख निरीक्षक कुंज बिहारी झा, पटवारी प्रभूराम गरासिया, सी.आई. बाबूलाल रेगर आदि उपस्थित रहे।

रोज़ाना 1.20 लाख लीटर ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता

इस प्लांट में प्रति मिनट 85 लीटर, प्रति घंटा 5000 लीटर एवं प्रतिदिन 1 लाख, 20 हज़ार लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन शुरु। जिससे 15 से 17 बड़े सिलेंडर रोज़ाना भरे जा सकते हैं। ये ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट एयर एन गैस प्रोसेस टेक्नोलॉजी वाला है। इससे माउण्ट आबू व तलहटी स्थित ग्लोबल ट्रोमा सेन्टर

एस.डी.एम. अभिषेक सुराना ने बताया कि माउण्ट आबू - आबूरोड उपखंड में कोविड-19 के चलते करीबन 800 लोग संक्रमित हैं, जिसे लेकर आबू रोड के ट्रोमा सेंटर एवं माउण्ट आबू के ग्लोबल अस्पताल में 30-30 बेड की व्यवस्था है। समाजसेवी सुधीर जैन की ओर से यह अच्छी पहल है। ब्र.कु. रोजा बहन ने बताया कि कोविड-19 की महामारी के चलते रोज़ाना 30 में से 25 लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता पड़ती है। भामाशाह की ओर से ऑक्सीजन जेनरेटर प्लांट डोनेट किया गया है। इससे हम 20 मरीजों को लगातार ऑक्सीजन दे पा रहे हैं।

असमय व अनियंत्रित अमृत जैसा भोजन भी हो जाता ज़हर में परिवर्तित

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू | राष्ट्रसंत कमलमुनि कमलेश ने कहा कि असमय व अनियंत्रित अमृत जैसा भोजन भी ज़हर में परिवर्तित हो जाता है। तामसिक उन्माद अशांति व हिंसा की जननी है, जो शरीर को रोगों का घर बना देता है। आहार शुद्धि से विचार शुद्धि संभव है। विचारों से ही प्रेम व सद्भाव के विचारों का संचार होता है। सभी धर्मों का यही राजमार्ग है। उक्त उद्गार उन्होंने ब्रह्माकुमारी संगठन के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पाण्डव भवन का अवलोकन करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि माउण्ट आबू विभिन्न धर्मों की संगम साधना स्थली है। इसकी गरिमा बनाए रखने के लिए सरकार को तीर्थ स्थल के रूप में घोषित करते हुए नशा, मांसाहार पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए। वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी ने कहा कि विश्व शांति स्थापित करने के कार्य में त्याग, तपस्या का अहम योगदान है। आहार शुद्धि के साथ विचारों की शुद्धि होना ज़रूरी है। राष्ट्रसंत कमलमुनि जी के साथ घनश्याम मुनि, गौतम मुनि, अरिहंत मुनि, कौशल मुनि, अक्षत मुनि, जैन दिवाकरीय श्रवण संघीय श्रावक श्रीमति रंजू बांठिया, श्रीमति सुशीला कांकरिया आदि ने संगठन के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के स्मृति में बने शांति स्तम्भ पर श्रद्धासुमन अर्पित कर, दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू, ब्र.कु. इंदिरा, ब्र.कु. चंद्रशेखर आदि ने मुनियों का अभिनंदन किया।

दिवंगत आत्माओं की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन

पानीपत-हरियाणा | चार दिव्य आत्माओं की स्मृति में ज्ञान मानसरोवर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में स्नेहांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए बच्चन सिंह आर्य, पूर्व मिनिस्टर ऑफ हरियाणा सरकार ने दादियों के चरित्रों को वर्णन करते हुए बताया कि दादी चंद्रमणि जी मेरे लौकिक भाई के शरीर छोड़ने पर क्रिया में शामिल हुए। चौधरी भजन लाल तत्कालिन मुख्यमंत्री,हरियाणा सरकार एवं अनेक केन्द्रीय मंत्री एवं हरियाणा सरकार के लगभग 20 मंत्रियों एवं हज़ारों जनता के सामने मेरे निवास पर पहुंच कर सम्बोधन किया जिसे मैं कभी भुला नहीं सकता। भारत भूषण,निर्देशक,ज्ञान मानसरोवर एवं पानीपत सर्कल ने बताया कि उनको समर्पित दादी चंद्रमणि ने 1986 के कुंभ मेले में, हरिद्वार में कराया। दादी हृदयमोहिनी ने ज्ञान मानसरोवर निर्माण की प्रेरणा बापदादा से दिलाई, दादी जानकी ने विश्व सेवा के निमित्त बनाया एवं निर्मलशांता दादी ने भी अपनी धारणाओं से प्रभावित किया। राजयोगिनी सरला दीदी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उपस्थित ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. बिंदु, ब्र.कु. ममता, अहलावत पूर्व निर्देशक,उद्योग हरियाणा ने भी दादियों के अंग-संग के अनुभव साझा किये।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th To 14th and 22nd To 24th each month, published on 12th May, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, डी.बी. कॉर्प.लि.,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org